Roll No : ....

Total No. of Questions : **5**] [Total No. of Printed Pages : **8**

UGC–131

B.Com./B.Sc./BCA/BBA (Part–I) Examination, 2021

GENERAL HINDI

(Compulsory Paper)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

इकाई–I

1. (अ) निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (शब्द-सीमा **150**)।

(क) जो समझता है कि वह दूसरों का उपकार कर रहा है वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरे उसका अपकार कर रहे हैं वह भी बुद्धिहीन है। कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है ? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है; अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास विधाता की योजना के अनुसार। किसी को उससे सुख मिल जाए, बहुत अच्छी बात है; नहीं मिल सका कोई बात नहीं, परन्तु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए। सुख पहुँचाने का अभिमान यदि गलत है तो दुख पहुँचाने का अभिमान तो नितान्त गलत है। दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वह है जिसका मन वश में है, दुखी वह है जिसका मन परवश है।

अथवा

लहूलुहान समाजवाद टीले पर खड़ा है। इस देश में जो जिसके लिए प्रतिबद्ध है, वही नष्ट कर रहा है। लेखकीय स्वतन्त्रता के लिए प्रतिबद्ध लोग ही लेखक की स्वतन्त्रता छीन रहे हैं। सहकारिता के लिए प्रतिबद्ध इस आन्दोलन के लोग ही सहकारिता को नष्ट

कर रहे हैं। सहकारिता तो एक स्पिरिट है। सब मिलकर सहकारितापूर्वक खाने लगते हैं और आन्दोलन को नष्ट कर देते हैं। समाजवाद को समाजवादी ही रोके हुए है। समाजवाद आने को तैयार खड़ा है। समाजवाद एक तरफ उतरना चाहता है कि उस पर पत्थर पड़ने लगते हैं। ''खबरदार! उधर से मत जाना!'' एक समाजवादी उसका एक हाथ पकड़ता है, तो दूसरा हाथ पकड़कर खींचता है। 6

(ख) जो लोग युद्ध की बात करते हैं, उन पर कोई जिम्मेदारी है नहीं। फौज के जिम्मेदार अफसर लड़ने को कितना उत्सुक हैं, इस बात का पता लगाया जाये तो मालूम हो, जिन्हें लड़ना है वे क्या सोचते हैं ? अब चीन और अमरीका रूस का घेरा डालने को हाथ मिला रहे हैं। यह नयी परिस्थिति है जिसमें भारत-पाक मामले में रूस तटस्थ न रह सकेगा। उसे चीन-अमरीकी गठबन्धन के खिलाफ भारत से दोस्ती और मजबूत करनी होगी और यह दोस्ती पाक विरोधी हो सकती है। भारत-पाक समस्या तब हल होगी जब चीन और अमेरिका और कहीं उलझे होंगे।

अथवा

मैं देख रहा था और अपनी पूरी चेतना से महसूस कर रहा था—शक्ति का विस्तार, विस्तार की शक्ति। तीनों तरफ से क्षितिज तक पानी ही पानी था, फिर भी सामने का क्षितिज, हिन्द महासागर का क्षितिज अधिक दूर और अधिक गहरा जान पड़ता था। लगता था कि उस ओर दूसरा छोर है ही नहीं। तीनों ओर के क्षितिज आँखों में समेटता मैं कुछ देर भूला रहा कि मैं हूँ, एक जीवित, दूर से आया यात्री, एक दर्शक, उस दृश्य के बीच में जैसे दृश्य का एक हिस्सा बनकर खड़ा रहा, बड़ी-बड़ी चट्टानों के बीच एक छोटीसी चट्टान। 6

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **250** शब्दों में दीजिए :

(i) 'चरित्र शोधन' निबन्ध में बालकृष्ण भट्ट के विचारों को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

अथवा

'जामुन का पेड़' कहानी का कथानक बताते हुए उसमें निहित व्यंग्य को उद्घाटित कीजिए। 7

(ii) 'निराला भाई' संस्मरण के आधार पर निराला के व्यक्तित्व की विशेषताएँ बताइये।

अथवा

'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी के कथानक को विस्तार से बताइये। 7

इकाई–II

2. (अ) निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (शब्द-सीमा **150**)।

(क) बसो मेरे नैनन में नंदलाल

मोहनि मूरति साँवरि सूरति, नैना बने विसाल।

उधर सुधारस मुरली राजति, उर वैजन्ती माल।

क्षुद्र घंटिका कटि तट शोभित, नूपुर शबद रसाल।

मीराँ के प्रभु संतन सुखदाई, भगत बछल गोपाल।

अथवा

बहुत दिनन तैं मैं प्रीतम पाये, भाग बड़े घरि बैठे आए।

मंगलाचार माँहि मन राखौं, राम रसायण रसना चाषौं।

मंदिर माँहि भयो उजियारा, ले सूती अपना पीव पियारा।

मैं रंगराती जे निधि पाई, हमहिं कहाँ यह तुमरि बड़ाई।

कहै कबीर मैं कछु न कीन्हा, सखी सुहाग राम मोहि दीन्हा। 6

(ख) वह तोड़ती पत्थर।

देखा उसे मैंने इलाहाबाद के पथ पर

वह तोड़ती पत्थर।

कोई न छायादार पेड़

वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार,

श्याम तन, भर बँधा यौवन,
नत नयन, प्रिय कर्मरत मन।
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार बार प्रहार-
सामने तरु मालिका अट्टालिका, प्राकार।
उठी झुलसाती हुई लू
रुई ज्यों जलती हुई भू
गर्द चिनगी छा गई
प्रायः हुई दुपहर,
वह तोड़ती पत्थर

अथवा

साक्षी है धरती, साक्षी है आकाश
और और और और भले
नाना प्रकार की व्याधियाँ हों भारत में
''किन्तु—''
उठाकर दोनों बाँह, किट किट करने लगा प्रेत
''किन्तु, भूख या क्षुधा नाम हो जिसका
ऐसा किसी व्याधि का पता नहीं हमको
सावधान महाराज,
नाम नहीं लीजिएगा हमारे समक्ष फिर कभी भूख का।'' 6

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **250** शब्दों में दीजिए।

(i) मीराँ की भक्ति भावना पर विचार व्यक्त कीजिए।

अथवा

दुष्यन्त कुमार की गजलों का मूलभाव बताइये। 7

(ii) मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की काव्यगत विशेषताएँ बताइये। 7

इकाई–III

3. (अ) निम्नलिखित अवतरण का शीर्षक बताते हुए संक्षेपण कीजिए :

जीवन सफल उन्हीं का माना जाता है जो बाधाओं की परवाह किए बिना अपने मार्ग में आगे बढ़ते रहते हैं। उन्हीं को याद किया जाता है जो जीवन की बाधाओं से जूझते हुए शहीद होते हैं। जो संघर्ष करते हैं वे हर हाल में सफल माने जाते हैं क्योंकि अगर वे मंजिल को प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें सफलता का गौरव प्राप्त होता है और अगर वे संघर्षों में जूझते हुए बलिदान होते हैं तो आगे आने वाली पीढ़ी के लिए उदाहरण बन जाते हैं। संघर्ष के बिना जीवन की सफलता का सच्चा आनन्द नहीं मिल सकता। 3+2=5

(ब) (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मुहावरों या लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(अ) नौ दिन चले अढ़ाई कोस

(ब) नाक का बाल होना

(स) ईद का चाँद

(द) करेला और नीम चढ़ा 4

(य) दो नावों पर सवार होना

(र) नाकों चने चबाना

(ल) कलेजे पर साँप लोटना

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए :

(अ) अत्योक्ति

(ब) वरतनी

(स) पूज्यनिय

(द) सन्यासी

(य) श्रीमति

(र) गुरू

(ल) रूपया 2

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध कीजिए :

(अ) हाथी की दहाड़ सुनकर सब सहम गए।

(ब) विन्ध्याचल पर्वत कहाँ पर स्थित है ?

(स) प्रात:काल के समय घूमना श्रेष्ठ रहता है।

(द) वीरप्पन बहुत विख्यात डाकू था।

(य) मीराँ बाई बहुत अच्छी कवि थीं।

(र) गुलामी के समय देश की बेहाल दशा थी। 2

(घ) निम्नलिखित शब्द-युग्मों में से किन्हीं **दो** शब्द-युग्मों का अर्थ बताइये :

(अ) सर – शर

(ब) सुत – सूत

(स) अनल – अनिल

(द) परीक्षा – परिक्षा

(य) दशा – दिशा 2+2=4

(ङ) निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति का पल्लवन कीजिए :

(अ) चन्दन विष व्यापत नहीं, लिपटे रहत भुजंग।

(ब) करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।

(स) मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। 2

इकाई–IV

4. (अ) (i) अनुवाद की विशेषताएँ बताइये (शब्द-सीमा **50**)।

अथवा

अनुवाद का महत्त्व बताइये। 3

(ii) अनुवाद का अर्थ व सिद्धान्त बताइये।

अथवा

अनुवाद के क्या फायदे हैं ? 3

(ब) निम्नलिखित पद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

We are a big family of ten people. I have a mother, a father, five sisters, a brother and a loving granny. A lot of our relatives stay in the same city and my paternal uncle lives in our native place. We have a big house in the village. I have a very big family. We all go to the village for summer vacation. We children play in fields and swim in the river. We all like to travel, each year we all family members go to different part of India.

अथवा

(स) राजस्थानी से हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए :

पग कयो—कांटा, चुभ'र किस्यै जलम रो बैर काढ्यो ? कांटो बोल्यो—अरै खुरड़ा! मनैं ही गिट'र मनैं ही डंडे कै ? बायरो कयो—पींपळ रा पानड़ाँ! मैं आऊँ जणाँ ही थाँ के हताई हुवै कै ? पानड़ा बोल्या—पूठ पाछै बात करणै री म्हारी आदत कोनी! सिन्झ्या हूँता ही मिनख उठ्यो अर दीयै रै मूंडै ऊपर तूळी मेळ दी। दीयो चट्ट चट्ट कर'र बोल्यो—बड़ा आदमी इयाँ के करै है ? मिनख हँस'र बोल्यो—अरै तूं हो के ? मन्नै अंधेरै म सूझ्यो ही कोनी। सूई! तूं फूलां रो काळजो छेक'र कांई काढ्यो ? डोरो तो हार म ही रहग्यो पण तूं तो जीत में रै'र ही नागी—बूची ही रही। 8

इकाई–V

5. (अ) किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए :

   (i) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता

   (ii) कोरोना महामारी

   (iii) कन्याभ्रूण हत्या : कारण और निवारण

   (iv) स्वच्छ भारत अभियान

   (v) राष्ट्रभाषा का महत्त्व 10

(ब) बहिन की शादी में बुलाने हेतु मित्र को आमन्त्रण पत्र लिखिए।

अथवा

स्थानान्तरण पत्र (T.C.) लेने हेतु प्राचार्य के नाम प्रार्थना-पत्र लिखिए। 5